

डॉ. जेफरी हडॉन, बाइबिल पुरातत्व, सत्र 12, निर्गमन और जंगल का पुरातत्व

© 2024 जेफरी हडॉन और टैड हिल्डेब्रांट

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हाउडन हैं। यह सत्र 12 है, पलायन और जंगल का पुरातत्व।

बाइबिल के इतिहास में निर्णायक क्षणों में से एक हिब्रू लोगों का मिस्र से पलायन है।

और यह एक ऐसा विषय रहा है जिस पर आधुनिक विद्वता के जन्म के बाद से अध्ययन और शोध किया गया है। और हम मिस्र के बारे में थोड़ी समीक्षा करने जा रहे हैं, और फिर कुछ सबूतों को देखेंगे जो निर्गमन के लिए सामने लाए गए हैं। और फिर, मिस्र को ऊपरी मिस्र में विभाजित किया गया है, जो दक्षिणी मिस्र और निचला मिस्र है।

अब जहां तक निर्गमन कब हुआ, इस संबंध में दो प्रमुख विचारधाराएं हैं। हम थोड़ी देर में उसे खोल देंगे। लेकिन यह इंगित करना महत्वपूर्ण है कि यदि निर्गमन 18वीं में हुआ, 18वें राजवंश के दौरान, पहले, हम कहेंगे कि प्रारंभिक तिथि, मिस्र की राजधानी थेब्स, आधुनिक लक्सर, यहां दक्षिण या ऊपरी मिस्र में थी।

यदि यह 19वें राजवंश के दौरान हुआ, विशेष रूप से रामसेस द्वितीय के शासनकाल के दौरान, मिस्र की राजधानी मेम्फिस में थी, जो डेल्टा के करीब थी। तो ये दो राजधानियाँ हैं जिनसे हम निपटते हैं। लेकिन जैसा कि हमें पहले याद है, मिस्रवासी खुद को काली भूमि कहते थे, जो फिर से नील नदी की सीमा पर थी।

और पश्चिम और पूर्व का क्षेत्र रेगिस्तानी था, और उसे लाल भूमि कहा जाता था। और यहां इसकी एक और तस्वीर मिस्र साम्राज्य की है। वह 18वें राजवंश के दौरान अपनी शक्ति के चरम पर था।

बेशक, यहाँ की खूबसूरत पेंटिंग फिरौन की बेटी द्वारा मूसा को बचाए जाने की है। और फिर, आप तारकोल से ढकी टोकरी में मूसा की आकृति देखते हैं। और फिर, आप मिस्र की इस युवा राजकुमारी के माध्यम से आर्क और मोक्ष की कल्पना देखते हैं।

अब, कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि शायद यदि निर्गमन प्रारंभिक तिथि निर्गमन है, और शायद यदि मूसा III एक फिरौन था, तो इस फिरौन की बेटी का एक नाम हो सकता है, और वह नाम संभवतः हत्शेपसुत हो सकता है, जिसने वास्तव में कुछ समय के लिए फिरौन के रूप में शासन किया था। कालानुक्रमिक रूप से, कुछ विद्वान मानते हैं कि ऐसी संभावना है, खासकर यदि मूसा का जन्म 1526 के आसपास हुआ था, तो वह फिरौन की बेटी हो सकती थी और वही थी जिसने मूसा को बचाया और अंततः सौतेली माँ के रूप में काम किया। यह एक दिलचस्प परिकल्पना है।

इसके बारे में अनुमान लगाना दिलचस्प है क्योंकि उसके पास एक सुंदर शवगृह मंदिर है जो मिस्र में एक बहुत लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है।

मैं पिछले महीने वहां था। आप उनकी छवियों को विरूपित होते हुए या उनके शासनकाल के बाद उनकी विरूपित छवियों को देख सकते हैं। उसे बदनाम किया गया। और तो वह क्यों था? खैर, संभवतः मूसा के साथ उसके रिश्ते के कारण।

यह एक आकर्षक सिद्धांत है, लेकिन जहां तक मुझे पता है, अभी तक अप्रमाणित है। दिलचस्प बात जो मैं यहां दिखाना चाहता हूं वह ममियों पर हाल ही में किया गया कुछ उच्च तकनीक वाला काम है। और यह एक युवा महिला की ममी है जिसका जन्म युग के बहुत बाद में हुआ था।

उनके चेहरे का पुनर्निर्माण मेलबर्न विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। और आप यहाँ देखते हैं, आप एक प्राचीन मिस्र की आँखों और चेहरे को देखते हैं। हालाँकि, यहाँ सावधान रहें, यह फिर से युग का मोड़ है, बहुत बाद में, और शायद कुछ, कुछ ग्रीक रक्त, उसमें विदेशी रक्त, और इसलिए हल्की त्वचा, लेकिन एक बहुत ही सुंदर युवा महिला, जो फिर से, हमें एक देती है प्राचीन मिस्रवासी कैसे दिखते थे इसका अंदाजा।

ठीक है, जैसा कि मैंने पहले बताया था, निर्गमन के बारे में दो मुख्य प्रश्न हैं जिनका उत्तर पुरातत्व ने देने का प्रयास किया है। दो प्रश्न हैं यदि और कब। सबसे पहले, क्या निर्गमन हुआ था? कई आलोचनात्मक विद्वान स्वाभाविक रूप से 'नहीं' कहते हैं।

वे तर्क देंगे कि शायद गुलामों के छोटे समूह मिस्र से भाग गए होंगे, लेकिन बाइबिल में दर्ज बड़े पैमाने पर कुछ भी नहीं हुआ होगा। दूसरी ओर, रूढ़िवादी बाइबिल विद्वान और कई मिस्रविज्ञानी आश्चर्यजनक रूप से हाँ कहते हैं। और ऐसा नहीं है, शुरुआत में, मुझे यह कहना होगा कि ऐसी कोई धूम्रपान बंदूकें नहीं हैं जो वास्तव में, आप जानते हैं, वास्तव में निर्वासन को साबित करती हैं या शक्तिशाली सबूत देती हैं।

लेकिन ऐसे कई परिस्थितिजन्य साक्ष्य हैं जो बाइबिल के विवरण का समर्थन करते हैं, भले ही मिस्र के रिकॉर्ड चुप हैं। और अच्छे कारण के लिए, मिस्र के फिरौन और अधिकारी कभी भी सार्वजनिक रूप से ऐसी अपमानजनक और विनाशकारी घटना को स्वीकार नहीं करेंगे। तो, यह समझ में आता है कि आपको मिस्र के ऐसे रिकॉर्ड नहीं मिलेंगे, जो इस, इस घटना को दर्ज करते हों।

हालाँकि, शायद परिस्थितिजन्य साक्ष्य कमियों को भर सकते हैं। दूसरा सवाल यह है कि कब। अधिकांश विद्वान निर्गमन के लिए एक या दो तिथियों का समर्थन करते हैं, प्रारंभिक तिथि 18वें राजवंश के दौरान थी।

वह तब था जब मिस्र की शक्ति अपने चरम पर थी, विशेषकर थुटमोस III का शासनकाल। पुनः, 1 राजाओं के आधार पर, वह निर्गमन 1445 ईसा पूर्व के आसपास हुआ होगा। दूसरी तारीख देर से आने वाली तारीख है।

और यह 19वें राजवंश में हुआ होगा, जो फिरौन रामसेस द्वितीय के अधीन एक और शक्तिशाली मिस्र राजवंश था। और वह 1290 ईसा पूर्व के आसपास हुआ होगा। प्रत्येक के पक्ष और विपक्ष में तर्क हैं।

इससे भी बाद की एक और तारीख है जिसे हाल ही में प्रस्तावित किया गया है। लेकिन वे दो मुख्य शिविर हैं। इस बारे में आगे के अध्ययन के लिए मैं कुछ पुस्तकों का अध्ययन करने की अनुशंसा करता हूँ।

यह हॉफमायर, मिलार्ड और गैरी रेंड्सबर्ग द्वारा संपादित कार्य है। रेंड्सबर्ग फिर से, बहुत बाद की तारीख के लिए तर्क देते हैं, मुझे नहीं लगता कि इसे बहुत अधिक समर्थन प्राप्त है, लेकिन वह इसके लिए तर्क देते हैं। लेकिन यह इस मुद्दे से निपटने वाले विभिन्न विद्वानों के लेखों या अध्यायों की एक श्रृंखला है।

एलन मिलार्ड, संपादकों में से एक और इंग्लैंड के एक उत्कृष्ट विद्वान, इस पुस्तक के लेखक हैं। मैं जेम्स हॉफमायर की मिस्र में इज़राइल की भी अत्यधिक अनुशंसा करता हूँ।

और इसके दो संस्करण हैं। पहले संस्करण में, वह प्रारंभिक तिथि के लिए अधिक खुले हैं। दूसरे संस्करण में, वह देर से आने वाली तारीख के साथ और अधिक मजबूती से जुड़ा हुआ है।

लेकिन वह प्राचीन दस्तावेज़ों, प्राचीन स्रोतों, प्राचीन आंकड़ों के समर्थन के खिलाफ़ बहुत सारे परिस्थितिजन्य साक्ष्य देते हैं जो निर्गमन की ऐतिहासिकता के पक्ष में तर्क देते हैं, आप जानते हैं। उत्कृष्ट कार्य। हम कैसे जानते हैं कि पलायन वास्तव में हुआ था? ठीक है, यदि आप यहूदी धर्म को देखें और यहूदी धर्म को समझें, तो पलायन वास्तव में यहूदी लोगों की केंद्रीय ऐतिहासिक घटना है।

और जब आप किसी यहूदी परिवार के साथ पेसाच या फसह मनाते हैं, तो इसे मनाया जाता है, सम्मानित किया जाता है, याद किया जाता है और बार-बार याद किया जाता है। दरअसल, वे अपने बच्चों को बड़े ही औपचारिक तरीके से बताते हैं: याद करो, याद करो, याद करो। और जब आपके पास इस तरह की, इतनी गहराई से अंतर्निहित स्मृति और स्मृति और इस घटना के लिए सम्मान है, तो विद्वानों को यह तर्क देना होगा कि यहां सच्चाई का कुछ हिस्सा है।

जब उनका कोई धार्मिक उत्सव होता है और उससे जुड़ी हर चीज़, यह बहुत प्राचीन घटना होती है, तो कुछ तो घटित होना ही था। दूसरे, यहां दूसरा बुलेट पॉइंट यह है कि यह कल्पना करना बहुत मुश्किल है कि एक राष्ट्र, एक लोग, ऐसी कहानी गढ़ेंगे जहां उनकी उत्पत्ति गुलामी में अंतर्निहित हो। यदि आप प्राचीन निकट पूर्वी संस्कृति और प्राचीन निकट पूर्वी इतिहासलेखन को देखें, जैसा कि उस समय अस्तित्व में था, तो उनके सभी पूर्वज और बहनें महान योद्धा, कुलीन, राजा और राजपरिवार थे।

कोई भी कभी भी अपने लोगों की उत्पत्ति के रूप में गुलामी की कहानी नहीं गढ़ेगा। तो यह सशक्त साक्ष्य देता है। बाइबिल का विवरण स्वयं इजरायली लोगों के लिए मिस्र मूल के मिस्र प्रवास के कई संकेत प्रदान करता है।

मूसा, होफ़नी और फ़िनहास जैसे नाम स्पष्ट रूप से मिस्र के हैं, और निर्गमन में स्थान के नाम, जैसे कि पिटोन और रामसेस, मिस्र में जाने-माने शहर थे। तो वहाँ कुछ संबंध है, और हमने पहले उसमें से कुछ का उल्लेख किया था।

10 विपत्तियाँ, 10 विपत्तियों में से अधिकांश, और हम इसे बाद में फिरौन के विरुद्ध खोलेंगे, वास्तव में मिस्र के देवताओं के पंथ के विरुद्ध विवाद थे। और इन्होंने एक के बाद एक यहोवा के सामने अपनी नपुंसकता प्रदर्शित की। और फिर, हम उसे बस एक मिनट में खोल देंगे।

जैसा कि हमने पहले कहा, मिस्र के ग्रंथों की चुप्पी पूरी तरह से समझ में आती है, क्योंकि मिस्र जैसा कोई भी राज्य या विश्व साम्राज्य ऐसी शर्मनाक और विनाशकारी घटना को दर्ज नहीं करेगा। हम पहले ही विधर्मी एकेश्वरवादी फिरौन अखेनातेन को देख चुके हैं। फिर, यह 18वें राजवंश का फिरौन है।

उन्होंने सूर्य देवता एटन की पूजा की और कर्णक या लक्सर में राजधानी को छोड़कर एक पूरी तरह से नई राजधानी का निर्माण किया। बेशक, विद्वानों ने सवाल उठाया है कि क्या उनका नया धर्म वास्तव में हिब्रू एकेश्वरवादी धर्म के कुछ पहलुओं का अनुकूलन था। कालक्रम के कारण यह संयोग आश्चर्यजनक है, यदि यह निर्गमन की प्रारंभिक तिथि थी। ठीक है, जैसा कि आपको याद है, मिस्रवासियों पर 10 विपत्तियाँ आई थीं।

पहला था पानी से खून। फिर से, नील नदी का एक देवता है। और इन्हें फिर से चुनौती दी गई है; इस कारण मिस्र का जीवनरक्त, रक्त ही बन जाता है।

फिर, मिस्र के खातों के साथ कुछ मिस्र के संबंध भी हैं। मेंढकों के झुंड, फिर से, एक मिस्र के देवता, मक्खियों के झुंड, मवेशी, इत्यादि। इनमें से बहुत सारे, फिर से, मिस्र के देवता या देवी-देवता हैं जिन्हें याहवे, या मूसा के देवता के खिलाफ उनकी नपुंसकता के कारण अपमानित किया गया है।

पहिलौठे की मृत्यु, निःसंदेह, 10वीं प्लेग थी। फिरौन का स्वयं मज़ाक उड़ाया जाता है, क्योंकि फिरौन, एक देवता है, लेकिन फिर भी उसका अपना बेटा मर जाता है। तो, ये सब किया जाता है, या उनमें से बहुत कुछ विवाद के रूप में किया जाता है।

अब, नहूम सरना एक हिब्रू विद्वान थे, और उन्होंने एक्सप्लोरिंग एक्सोडस नामक एक उत्कृष्ट पुस्तक लिखी थी। वह इनमें से कुछ विपत्तियों के लिए प्राकृतिक स्पष्टीकरण भी देता है, और यह भी बताता है कि आप उन्हें स्वीकार कर सकते हैं या नहीं या उन्हें स्वीकार करना चुन सकते हैं या नहीं। यहां कुछ दिलचस्प संयोग हैं।

उदाहरण के लिए, पानी से खून, उनका तर्क है कि इथियोपिया में भारी वर्षा के कारण बाढ़ आ गई। और इसलिए, सुदूर दक्षिण की लाल मिट्टी नील नदी के पानी के साथ मिश्रित हो गई और उसे लाल रंग दे दिया गया। और फिर, निस्संदेह, वह नीचे जाता है और तर्क देता है कि ये घटनाएं स्वाभाविक रूप से कैसे घटित हो सकती हैं।

अंतिम घटनाओं को छोड़कर, वह स्पष्ट रूप से एक अलौकिक घटना थी। ठीक है, हम निर्गमन की दो तिथियों, विचार के दो मुख्य विद्यालयों, और एक प्रारंभिक तिथि के साक्ष्य, फिर से, 1445 ईसा पूर्व के आसपास देखने जा रहे हैं। पहला बिंदु यह है कि यह बाइबिल कालक्रम के साथ बहुत बेहतर फिट बैठता है।

मिस्र में 430 साल के प्रवास में। और इसलिए यह, फिर से, निर्गमन के शुरुआती दिनों की कालानुक्रमिक तारीखों से सहमत है। और इसलिए, यह न्यायाधीशों की पुस्तक में और निश्चित रूप से, 1 राजाओं की पुस्तक में अच्छी तरह से फिट बैठता है।

मूसा का स्वयं 18वाँ राजवंशीय नाम था। फिर, अहमोस, थुटमोस, इत्यादि। आप वहां कनेक्शन देख सकते हैं।

फिरौन के दरबार में पले-बढ़े लड़के के लिए एक तार्किक विकल्प, जैसे कि अहमोस या थुटमोस। लेकिन 19वें राजवंश के दौरान इसकी अत्यधिक संभावना नहीं थी। असंभव नहीं है, लेकिन अत्यधिक असंभावित है।

थुटमोस III, निर्गमन के प्रारंभिक काल के फिरौन के लिए प्रमुख उम्मीदवार, उसके सबसे बड़े बेटे द्वारा सफल नहीं हुआ था। क्यों? बहुत सारे कारण हो सकते थे, लेकिन उनमें से एक यह भी हो सकता था कि उनकी मृत्यु 10वीं प्लेग में हुई हो। मिस्र के कालक्रम में अनिश्चितता थुटमोस या अमेनहोटेप II को निर्गमन का फिरौन होने की अनुमति देती है।

थुटमोस III और अमेनहोटेप II दोनों ने कनान और सुदूर उत्तर में कई सैन्य अभियान चलाए। थुटमोस इतिहास में सबसे शक्तिशाली मिस्र का फिरौन था। उनके शासनकाल के दौरान, मिस्र साम्राज्य ने अपने सबसे बड़े शासन का आनंद लिया।

और यह है, उसे निर्गमन के साथ जोड़ना आकर्षक है क्योंकि आपको यह सबसे शक्तिशाली मानव एजेंट, शक्तिशाली मानव शासक मिला है, जो अपने दासों के भगवान के सामने दीन और टूटा हुआ और नपुंसक समझा जाता है। आप देखिए, आप वहां विडंबना देख सकते हैं। मिस्र की अपनी पिछली यात्राओं में, मुझे वास्तव में थुटमोस III की कब्र देखने का मौका मिला।

अब, नए साम्राज्य की कब्रें नील नदी के पश्चिमी किनारे पर राजाओं की घाटी नामक स्थान पर थीं। और यह कमरों की भूलभुलैया थी। और, निःसंदेह, इसे प्राचीन काल में लूट लिया गया था।

सब कुछ नंगा था। दीवारों पर अभी भी खूबसूरत पेंटिंग और भित्ति चित्र थे। लेकिन यह सिर्फ एक विशाल भूमिगत चट्टान काटकर बनाया गया परिसर था।

फिर हम राजा तूतनखामेन की कब्र, प्रसिद्ध तूतनखामुन गए, जहां उनकी कब्र बरकरार पाई गई। यह दो कक्ष थे, एक छोटी सी चीज़। और निश्चित रूप से, आपके पास किंग टुट की कब्र के आसपास सारी चर्चा और मीडिया है क्योंकि वहां खजाने थे।

आप सिर्फ कल्पना ही कर सकते हैं. और जब हम तूतनखामुन की कब्र पर जा रहे थे, तो जब उसे दफनाया गया था तो यहाँ क्या था? यह अविश्वसनीय, अविश्वसनीय धन, अविश्वसनीय अवशेष, मिस्र के अवशेष, और वस्तुएं जो उस कब्र में पैक की गई थीं, दुर्भाग्य से, सब चली गई होंगी। लेकिन जब आप दोनों की तुलना करते हैं, तो दोनों एक ही वंश के होते हैं, वैसे, बहुत, बहुत व्यापक रूप से भिन्न होते हैं।

यहां 18वें राजवंश के फिरौन का विवरण दिया गया है। और आप देखिए, हत्शेपसट ने रीजेंट के रूप में और फिर खुद ही सेवा की। और आप वहां थुटमोस की तारीखें देख सकते हैं।

थुटमोस IV और अमेनहोटेप III। ये सभी फिरौन हैं जो निर्गमन की सामान्य समय सीमा में आते हैं। और वैसे, वहाँ अंत में किंग टुट है।

संभवतः उसकी हत्या कर दी गयी थी. इसे लेकर फिर से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। और, निःसंदेह, एक विधर्मी फिरौन, अमेनहोटेप, या अखेनाटेन, जिसने अपने एकेश्वरवादी देवता, एटेन की सेवा की।

तो, यदि थुटमोस III निर्गमन का फिरौन है, तो हमारे पास उसकी ममी है। उसका चेहरा है. और क्या उस चेहरे ने मूसा के साथ बातचीत की और परमेश्वर के लोगों को जाने से मना कर दिया? आप फिरौन के चेहरे को देख सकते हैं जो निर्गमन का फिरौन था।

अब हम अंतिम तिथि की ओर बढ़ते हैं। और फिर, यह लगभग 1290 ईसा पूर्व है। और वह एक अलग राजवंश है, 19वां राजवंश।

इसका मुद्दा यह है कि यूसुफ का विवरण मिस्र में हिक्सोस शासन के दौरान सबसे उपयुक्त लगता है। निर्गमन 1:8, जब मिस्र पर एक नया राजा उठा जो यूसुफ को नहीं जानता था। यह राजा अहमोस रहा होगा।

निर्गमन 1.9 में, फिर से, यूसुफ का वज़ीर के रूप में सत्ता में आना मिस्र पर शासन करने वाले साथी एशियाई लोगों के साथ बेहतर रूप से फिट बैठता है। यह, फिर से, असंभव नहीं है कि उन्होंने पहले मध्य साम्राज्य के तहत सेवा की थी, लेकिन ऐसा लगता है कि यह यहां बेहतर ढंग से फिट बैठता है। पिथोम और रामसेस शहर, जो निर्गमन, निर्गमन 1.11 में वर्णित दो शहर हैं, स्पष्ट रूप से नील डेल्टा के शहरों के लिए 19वें राजवंशीय नाम हैं।

और ये वे नगर हैं जिन्हें इस्राएलियों ने बसाया। हालाँकि, ये शहर 18वें राजवंश में भी मौजूद थे लेकिन अलग-अलग नामों से। और इसलिए ये दो नाम बाइबिल पाठ में अद्यतन नाम हो सकते हैं।

अंततः, 19वें राजवंश के फिरौन ने उत्तर में मेम्फिस से शासन किया, जैसा कि मैंने मानचित्र पर दिखाया, जो फिरौन और मूसा के बीच विभिन्न अर्थों से संबंधित प्रतीत होता है। ऐसा लगता है कि यह अधिक निकटता से संबंधित है। यदि मूसा को जाकर फिरौन के सामने उपस्थित होना पड़े

और कहना पड़े, मेरे लोगों को जाने दो, और वह 18वें राजवंश में था, तो उसे मेम्फिस तक जाना होगा।

फिरौन से मिलने के लिए उसे नील नदी पार करके लक्सर और कार्नाक तक जाना होगा। जबकि यहां, मेम्फिस गोशेन की भूमि, नील डेल्टा, जहां इज़राइली थे, के बहुत करीब है, और यह तार्किक रूप से बहुत आसान काम होगा। अब, इसका मतलब यह नहीं है कि 18वें राजवंश के फिरौन के पास गोशेन की भूमि के करीब कोई महल नहीं था।

मुझे यकीन है, उन्होंने निश्चित रूप से ऐसा किया है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह 19वें राजवंश के संदर्भ में थोड़ा बेहतर बैठता है। 19वें राजवंश के फिरौन यहां सूचीबद्ध हैं, और स्पष्ट रूप से, जो फिरौन सबसे अधिक संभावित प्रतीत होता है वह रामसेस द्वितीय है। अब यहां का कालक्रम मेल नहीं खाता।

मैं उच्च और निम्न दोनों कालक्रम का उपयोग कर रहा हूं, इसलिए मैं इसके लिए क्षमा चाहता हूं। लेकिन 1290 के निर्गमन के लिए, उच्च कालक्रम के साथ, रामसेस ने पहले शासन किया होगा। हमारे पास रामसेस द्वितीय की ममी भी है, जो 90 वर्ष की आयु का था।

आप अभी भी उनके सिर पर बाल देख सकते हैं। वह एक अविश्वसनीय निर्माता थे। अधिकांश स्मारकीय निर्माण जो आप देखते हैं, जो प्राचीन मिस्र से, पिरामिडों और कुछ अन्य चीज़ों के बाहर बचे हुए हैं, उनके शासनकाल का परिणाम है।

उसके शासनकाल के दौरान अविश्वसनीय मात्रा में स्मारकीय कार्य किए गए थे, और वह एक बहुत शक्तिशाली फिरौन था। यहां दिलचस्प बात यह है कि जरूरी नहीं कि यह निर्गमन से संबंधित हो, लेकिन यह रानी ताई की ममी है। और देखो, उसके सिर पर अभी भी बाल हैं।

उसकी छाती की गुहा को तोड़ दिया गया था, और उसके अंग निकाल दिए गए थे। जब वे शवों को दफनाने के लिए तैयार करते थे तो वे अद्भुत संरक्षण करने में सक्षम थे। अब, निर्गमन से संबंधित हर चीज़, मार्ग, समय, हर चीज़ पर सवाल उठाया जा सकता है।

जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, और अब मैं थोड़ा खुलासा करूंगा, विद्वान संगोष्ठियां और बैठकें करते हैं और इस बारे में बहस करते हैं कि निर्गमन का फिरौन कौन था, निर्गमन का मार्ग क्या था, और वास्तव में रीड्स का सागर कहां था या यम सुफ़ जिसका पाठ में उल्लेख है। ये सभी खुले प्रश्न हैं। यह मंत्रमुग्ध कर देने वाला है।

और समय-समय पर, हम नए साक्ष्य या नए शिलालेख या ऐसी किसी चीज़ के बारे में सुनते हैं जो उस पर प्रकाश डाल सकती है। लेकिन पूर्वी नील डेल्टा पर बहुत सारा काम किया गया है, बहुत सारे मानचित्रण और उत्खनन और सर्वेक्षण किए गए हैं, नंबर एक, निर्गमन के मार्ग को निर्धारित करने और उस क्षेत्र में 18वें या 19वें राजवंश के साक्ष्य खोजने की कोशिश की जा रही है। जैसे कि क्रॉसिंग कहां थी, यम सुफ़ या रीड्स का सागर कहां था, जैसा कि बाइबिल कहती है। लेकिन, फिर से, हमारे पास जो दो नाम हैं वे पिथोम और रामसेस हैं, और ये दो शहर हैं, हम उनके स्थान के बारे में काफी हद तक निश्चित हैं, और हम जानते हैं कि ये इस्राएलियों द्वारा बनाए गए शहर थे।

ठीक है, यहाँ दिलचस्प चित्रण है, एक दीवार भित्ति चित्र है, और हम यहाँ बस कुछ क्षणों के लिए इसे देखेंगे। यह, फिर से, सेती प्रथम को जिम्मेदार ठहराया गया, जो पहले रामसेस द्वितीय के पिता थे, 19वां राजवंश, और यह एक तरह से अवास्तविक पैमाने को दर्शाता है, लेकिन इसमें सेती और उसकी सेना को एक एशियाई अभियान से लौटते हुए दर्शाया गया है, दूसरे शब्दों में, कनान तक जाते हुए और फिर सिनाई प्रायद्वीप के रास्ते मिस्र लौट आये। और, निस्संदेह, सेती और उसका घोड़ा और रथ यहां की प्रमुख, बड़ी हस्तियां हैं।

और वे मिस्र की सीमा पर आ रहे हैं, जिसका उल्लेख निर्गमन कथा में, मिस्र की दीवार या किनारे पर किया गया है। ठीक है, और मिस्र की उस दीवार या तट पर मगरमच्छों वाली एक खाई है और पार करने के लिए किलों और द्वारों की एक श्रृंखला है। यहाँ पुल है, और किले हैं, और जब वह सिनाई पार कर रहा है तो यहाँ और यहाँ भी किले हैं।

फिर, जाहिर है, बड़े पैमाने पर कुछ भी नहीं किया गया है, लेकिन यह पूरे अभियान या वापसी अभियान को कवर करता है। ये वे बन्धुएँ हैं जो उसके आगे आगे चल रहे हैं, और बन्धुओं के समान मिस्र में वापस जा रहे हैं। और, निःसंदेह, मिस्र के सभी लोगों ने सेती और उसकी सेना का विजयी के रूप में स्वागत किया, और यह विजयी अभियान मिस्र में वापस आया।

अब, बेडौइन या वे लोग जो सिनाई में रहते थे, मिस्रवासी उन्हें शासु कहते थे। ऐसे विद्वान रहे हैं जो मानते हैं कि ये शासु वास्तव में उन इज़राइलियों का दूसरा नाम है जो मिस्र में दास के रूप में सेवा करते थे। पलायन के लिए मार्ग।

जैसा कि आप देख सकते हैं, कई विविधताएँ हैं। जर्मन विद्वानों ने बाल ज़ेफॉन के कारण इस्थमस पर यहां तक पहुंचने का रास्ता सुझाया। उन्हें यहाँ पर बाद के फ़ारसी काल का एक मंदिर मिला और उन्होंने सोचा कि इससे पता चल सकता है कि यह कहाँ था।

हम जानते हैं कि इस्राएली कहाँ नहीं जाते थे, और वह पलिशतियों के देश का मार्ग था। वह उत्तरी सिनाई की प्रमुख सड़क थी जो सीधे कनान तक जाती थी। वे उस मार्ग से बचते रहे क्योंकि, एक तो, यहाँ मिस्र के किलों की एक श्रृंखला थी।

और हम उनकी एक तस्वीर दिखाएंगे कि वे कैसे दिखते थे। उन्होंने उस मार्ग को फिर से चुना, संभवतः उनके बीच कम से कम एक दिन का मार्च था। और इसलिए, वे उस रास्ते पर नहीं गये।

वे संभवतः दक्षिण की ओर गए थे या किसी भिन्न दक्षिणी मार्ग पर कहीं गए थे। और फिर, यह एक ऐसी समस्या है जिसमें बहुत सारे प्रश्न हैं और बहुत ही कम उत्तर हैं। यहां मिस्र के इन किलों की एक तस्वीर है जो सिनाई के पार बनाए गए थे।

वे आम तौर पर किसी जल स्रोत, तालाब या झरने या बड़े हौदों पर बनाए जाते थे। और उनके पास आपूर्ति और भोजन था, इसलिए मिस्र की सेना अपेक्षाकृत तेज़ी से सिनाई पार कर सकती थी। हॉफमायर ने नील डेल्टा में टेल एल-बोर्ग नामक एक साइट की खुदाई की है, और आप उनकी अंतिम रिपोर्ट के कवर पर उस विशिष्ट मिस्र के किले का चित्रण देख सकते हैं।

जैसा कि मैंने कहा, बाइबिल स्पष्ट रूप से बताती है कि प्रभु ने इब्रानियों से कहा कि वे पलिशितियों की भूमि के रास्ते पर न जाएं, जो सबसे छोटा था, बल्कि दक्षिण की ओर या कहीं और जाएं, बिल्कुल दूसरे रास्ते पर। और मुद्दा यह है कि हमारे पास एक यात्रा कार्यक्रम है। हमारे पास उन स्थानों के नामों की एक सूची है जिन पर इस्राएलियों ने डेरा डाला और मार्च किया, लेकिन इनका मिलान आज अरबी स्थानों के नामों से नहीं किया जा सकता क्योंकि उनके प्राचीन नाम सदियों, शायद सहस्राब्दियों पहले ही भुला दिए गए थे।

और यह दुखद है, लेकिन जब हमारे पास नाम होते हैं, तो हम उनका उपयोग नहीं कर सकते। जब हमारे पास नाम नहीं हैं, तो हम कर सकते हैं। और फिर, बाइबिल के इतिहासकार और छात्र, आप जानते हैं, अपना सिर खुजलाते हैं।

मूसा ने फिरौन के नाम क्यों नहीं लिखे? इसलिए, हमारे पास काम करने के लिए स्पष्ट रूप से एक तारीख है। और मेरा मानना है कि यह धर्मशास्त्रीय ढंग से किया गया है। फिर, आपका नाम ही आपकी पहचान है।

यह आपको खड़ा करता है। और चूंकि फिरौन बहुत शक्तिशाली था, मानवीय दृष्टि से, वह नपुंसक था। उसका कोई नाम नहीं था।

वह परमेश्वर के सामने पूरी तरह से शक्तिहीन था। तो धार्मिक दृष्टि से, यही कारण है। हालाँकि, हमें अब भी यह सोचकर दुख होता है कि काश हमारे पास कोई नाम होता।

अब, दक्षिणपूर्वी सिनाई में, सेरेबिट अल-खादिम नामक एक आकर्षक स्थल है। और यह मिस्र का खनन कार्य है। और वहां उनके मंदिर भी थे।

और इनका अध्ययन किया गया है। इस साइट का अध्ययन किया गया है क्योंकि इसमें बहुत सारे चित्रलेख हैं, जैसे कि यहाँ वाला, जो चित्रलेख से वर्णमाला में परिवर्तन दर्शाते हैं। और ये 24 प्रतीकों या रेखाचित्रों में प्रतीत होते हैं।

और, निःसंदेह, यह संभवतः एक विकासवादी प्रक्रिया थी। ऐसा कब हुआ, इस पर बहस चल रही है। यह हिक्सोस के अधीन मिस्र के महलों या कुलाधिपतियों में हो सकता था।

यह पहले भी हो सकता था। लेकिन शायद इसकी उत्पत्ति यहीं हुई, या ऐसी जगह पर, जहां चित्रलेखों की एक विस्तृत श्रृंखला के बजाय केवल 28 या 30 अक्षरों का उपयोग करके सरलीकृत लेखन, अर्थ के बजाय ध्वनि पर आधारित अक्षर, कुछ चित्रित करना, का हिस्सा हो सकता है वर्णमाला कैसे बनी इसकी पहली। लेकिन यह स्पष्ट रूप से सेमाइट्स द्वारा किया गया था, चाहे वह हिक्सोस द्वारा किया गया हो या अन्य लोगों द्वारा।

और यह, फिर से, लिखकर संवाद करने के उनके तरीके को सरल बनाने का एक तरीका था। यह एक प्रसिद्ध ओस्ट्राकॉन है जो इज़राइल में एर्ब यिट्ज़िट्ज़ार्ड में पाया गया था। न्यायाधीशों के काल में आप यहाँ पुनः वर्णमाला का विकास होते देखते हैं।

आप कुछ बहुत प्रारंभिक लिपि, वर्णमाला लिपि देखते हैं। यदि आप हिब्रू जानते हैं, तो आप इसे देखें और इसका कोई मतलब नहीं है। लेकिन यह एक बहुत ही प्रारंभिक हिब्रू है जो, फिर से, वास्तव में कच्चे चित्रलेख स्लैश वर्णमाला लेखन पर आधारित है जो सिनाई में इस खनन स्थल पर पाया गया था।

वैसे, यहां यह बताना दिलचस्प है कि हिब्रू अक्षर ए, या एलेफ, वास्तव में एक बैल के चित्रण के रूप में शुरू हुआ था, और फिर इसे शैलीबद्ध और विकृत किया गया और अंततः सदियों से हमारा अक्षर ए बन गया। वर्णमाला की प्रगति का अध्ययन करना सचमुच दिलचस्प है। जैसा कि हमने बताया, इस्राएलियों के मिस्र छोड़ने के बाद प्रवास की पुरातत्व भी समस्याग्रस्त है।

डेविस, एक ब्रिटिश विद्वान, ने द वे ऑफ द वाइल्डरनेस नामक एक पुस्तक लिखी है और वह उसी से संबंधित है। हॉफमायर ने, मिस्र में अपने इज़राइल के अनुवर्ती के रूप में, सिनाई में प्राचीन इज़राइल नामक एक पुस्तक लिखी और उदाहरण के लिए, इज़राइलियों के यात्रा कार्यक्रम, वे कहाँ गए, माउंट सिनाई का स्थान कहाँ है, के बारे में सवालों के जवाब देने की कोशिश की। हम बस एक क्षण में सामान खोल देंगे। ऐसा करना बहुत ही कठिन है क्योंकि नाम सदियों से भुला दिए गए हैं और लुप्त हो गए हैं।

अब, साइटों का चित्रण, साइटों का विवरण, और यदि आप किसी मार्ग का अनुसरण कर सकते हैं, तो आप कुछ अनुमानित बिंदु और सुझाव दे सकते हैं कि ये साइटें कहाँ थीं, और यही अक्सर किया जाता है। यहां सिनाई प्रायद्वीप, दक्षिणी पहाड़ी सिनाई प्रायद्वीप की एक खूबसूरत तस्वीर है। होरेब और सिनाई ऐसे नाम हैं जिनका उपयोग पुराने नियम में कई बार किया गया है और जाहिर तौर पर ये पर्यायवाची हैं।

लेकिन सच तो यह है कि व्याख्यान श्रृंखला के इस भाग की हर चीज़ की तरह, यहाँ भी हर चीज़ पर बहस होती है। हम बिल्कुल निश्चित नहीं हैं। अब, यदि आप आज सिनाई जाते हैं, और फिर से, मैं पिछले महीने वहाँ था, मैंने पैदल यात्रा की, यह पांच घंटे की पैदल यात्रा थी, और जेबेल मूसा, मूसा के पर्वत, या कथित पारंपरिक माउंट सिनाई के शीर्ष तक पैदल यात्रा की।

मैंने सूर्योदय देखा। यह उस पहाड़ की चोटी से एक सुंदर दृश्य था, एक कठिन पदयात्रा। जैसे ही मैं नीचे गया, मैंने सेंट कैथरीन मठ का दौरा किया, देखा कि जलती हुई झाड़ी कहां थी, और उस महान बीजान्टिन साइट को देखा, जो अविश्वसनीय रूप से इतने सैकड़ों वर्षों के बाद भी वहाँ मौजूद है।

लेकिन क्या यही जगह है? क्या यह वह स्थान है जहाँ मूसा को डिकालॉग प्राप्त हुआ था? और यह हो सकता है। रानी हेलेना ने सोचा कि यह चौथी शताब्दी ईस्वी में था। लेकिन वह घटना कितने सैकड़ों वर्ष बाद की है? क्या वहाँ उसे उचित, सही जानकारी देने वाला कोई था? हमें पता नहीं।

तो, सिनाई के लिए अन्य उम्मीदवार भी हैं। अब, एक लोकप्रिय बात, जिसके बारे में आपने देखा या सुना है, आपमें से कई लोगों ने प्रेस या टीवी पर सुना या देखा है, वह यह विचार है कि माउंट

सिनाई अरब में था, विशेष रूप से जेबेल अल-लाज़ नामक स्थान उत्तरी सऊदी अरब. और आश्चर्यजनक रूप से, कुछ दिलचस्प तर्क हैं जो इस साइट का समर्थन करते हैं।

सबसे पहले, हम जानते हैं कि मूसा के ससुर, जेथ्रो, एक मिद्यानी पुजारी थे और जब मूसा 40 वर्ष के थे, तब वे मिद्यान भाग गए थे। उस समय, मिद्यान, मुझे कहना चाहिए, उत्तरी सऊदी अरब, दक्षिणी जॉर्डन, हेजाज़ नामक एक पहाड़ी क्षेत्र में था। और वहाँ शहर थे.

यह संभवतः प्राचीन मिद्यान था। लेकिन यह भी तर्क दिया जा सकता है कि प्राचीन मिद्यान भी सिनाई प्रायद्वीप में ही फैला हुआ था। तो यह भी एक संभावना है.

बुक ऑफ नंबर्स में एक यात्रा कार्यक्रम है जो माउंट होरेब की यात्रा के लिए सिनाई के बजाय उत्तरी सऊदी अरब के ट्रांसजॉर्डन के इस क्षेत्र में तीर्थयात्रा मार्ग के लिए तर्क देता प्रतीत होता है। फ्रैंक मूर क्रॉस ने इसका उल्लेख किया, और फ्रैंक मूर क्रॉस ने इस अनुमानित दृष्टिकोण के कुछ सकारात्मक पहलुओं को पहचाना। ठीक है।

इस साइट के आसपास के वास्तविक तर्क एक नाटकीय कहानी की तरह हैं, और यह गोल्ड ऑफ द एक्सोडस पुस्तक में लिखा गया है। तो, अमेरिकियों ने वास्तव में सऊदी अरब में घुसपैठ की, तस्वीरें लीं, और, आप जानते हैं, उन्होंने सिनाई और सिनाई के आसपास बहुत सारे स्मारकों को पाया, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया था। यहां पहाड़ की चोटी जली हुई चोटी जैसी दिखती है।

लेकिन कुछ गंभीर समस्याएं भी हैं। एक तो मिस्र तट की सीमा से सिनाई जाने में लगने वाला समय है, और सिनाई पहुंचने या अरब जाने के लिए तीन दिन का समय पर्याप्त नहीं है। और दूसरा यहां अकाबा की खाड़ी या इलियट की खाड़ी को पार करना है, जो मूल रूप से एक खाई है।

नीचे चढ़ने के लिए, भले ही पानी खत्म हो गया हो, आपके पास पहाड़ पर चढ़ने के उपकरण होने चाहिए और वापस ऊपर चढ़ना होगा। यदि वे उस रास्ते पर जाते, तो अधिक संभावना यह होती कि उन्हें खाड़ी के उत्तरी किनारे के आसपास जाना पड़ता। यह तर्क कि यहां ऐसे द्वीप हैं जिनके पार वे जा सकते हैं, उनमें दृढ़ विश्वास की कमी प्रतीत होती है।

तो, यह एक दिलचस्प सिद्धांत है, और ऐसे तर्क हैं जो इसका समर्थन करते प्रतीत होते हैं, लेकिन साथ ही कुछ गंभीर समस्याएं भी हैं। यहां जेबेल मूसा और सेंट कैथरीन मठ की एक तस्वीर है। दिलचस्प।

प्राचीन काल में, निस्संदेह, यह जंगली पशुिम था। यहां आसपास कोई सभ्यता नहीं थी. आज भी बहुत वीरान है.

लेकिन सेंट कैथरीन मठ मूल रूप से एक महल था, और इसमें प्रवेश करने के लिए कोई प्रवेश द्वार नहीं था। साइट तक पहुंचने के लिए आपको एक टोकरी में नीचे उतारना और उठाना पड़ता था। आज, बेशक, यह बदल गया है, लेकिन यह घूमने के लिए एक बहुत ही दिलचस्प जगह है।

यहां जेबेल मूसा के शीर्ष पर स्थित चैपल के शीर्ष से दक्षिणी सिनाई का दृश्य दिखाई देता है। जब वे सिनाई में थे, तो कानून दिए जाने के बाद, मूसा ने प्रभु के साथ यात्रा करने और अपने लोगों के साथ रहने के लिए एक स्थान के रूप में तम्बू बनवाया। यह दिलचस्प है क्योंकि तम्बू के घेरे और तम्बू में 19वें राजवंश के मिस्र के शाही तम्बूओं के साथ दिलचस्प समानताएं हैं, विशेष रूप से रामसेस द्वितीय, जब उसने सीरिया के कादेश में हितियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।

फ़िरौन के शिविर की फर्श योजना या दूर से देखने पर बिल्कुल समान दिखती है, और संभवतः यही कारण है कि मोआबी राजा बालाक ने सोचा कि मोआब के मैदानों में इस्राएलियों के बजाय मिस्रवासी थे, क्योंकि उसने तम्बू और तम्बू देखा और सोचा वह मिस्र का शाही पड़ाव था। तो, इसमें भी बहुत सारे दिलचस्प बिंदु हैं। यहां रामसेस द्वितीय का शिविर और तम्बू है, जो अपने मूल लेआउट में बहुत समान है।

ऊँचे स्थानों पर वेदियाँ। यह पेट्रा में एक ऊँचा स्थान है, बहुत बाद में, यह एबिटियन में है। यह मेगिदो से पहले का है, संभवतः वहां प्रारंभिक कांस्य युग का स्तर है।

लेकिन जो वेदी तम्बू के बाहर थी, वह फिर से उसी का एक रूप है और शायद उन दोनों में से कुछ विशेषताओं को प्रतिध्वनित करती है। जिस एक स्थान के बारे में हम अपेक्षाकृत निश्चित रूप से जानते हैं, कि इस्राएलियों ने अपने 40-वर्षीय प्रवास के लिए जिस स्थान पर डेरा डाला था, वह कादेश बर्निया था। और वह नाम, क्योंकि वहाँ लगातार जाया जाता था क्योंकि वहाँ एक झरना था, ऐन कादेश, या अरबी में ऐन केडेस, उस नाम को सुरक्षित रखता है।

और इस स्थान पर निर्गमन के समय के मिद्यानी मिट्टी के बर्तन पाए गए थे। तो यह एक सशक्त प्रमाण है कि यह कादेश बर्निया की वास्तविक साइट है। यह मिस्र की सीमा, सिनाई सीमा के ठीक अंदर, इजरायली सीमा के पार स्थित है।

लेकिन बाद के लौह युग के किले, शायद उनमें से एक श्रृंखला, शायद सिर्फ दो, की खुदाई 1970 और 80 के दशक में की गई थी जब इज़राइल ने सिनाई पर कब्जा कर लिया था। इसे रुडोल्फ कोहेन द्वारा प्रकाशित और लिखा गया था। मोशे दोतान ने 1956 में सिनाई पर इज़राइल के कब्जे के दौरान इसकी खुदाई की थी।

इसलिए, यह बहुत दिलचस्प है कि हमारे पास प्रवास के दौरान एक महत्वपूर्ण यात्रा कार्यक्रम स्थल के लिए एक बहुत ही स्पष्ट उम्मीदवार है, और वह कादेश बरनिया है। वैसे, टीई लॉरेंस ने इस साइट का दौरा किया था और उस किले का मॉक-अप या टॉप प्लान भी बनाया था। माउंट होर, फिर से, प्रवास के दौरान, हारून का निधन हो गया, और वह छोटा सफेद गुंबद, वह छोटी सी संरचना, माउंट होर का शीर्ष, शिखर है, जहां उसे दफनाया गया था।

अब फिर, यह भी एक बाद की परंपरा है, बीजान्टिन, और यह जेबेल मूसा के समान ही है। क्या यह वही पर्वत होर है जिस पर हारून को दफनाया गया था? शायद, शायद नहीं। हम बिल्कुल निश्चित नहीं हो सकते।

अब, प्रवास के बाद, इस्राएल के बच्चों ने रेगिस्तानी मार्ग से यात्रा की क्योंकि एदोम और मोआब के राजा उन्हें राजा के राजमार्ग में प्रवेश की अनुमति नहीं देते थे, जो अधिक भोजन और पानी के स्रोतों के साथ आसान मार्ग था। लेकिन एमोरियों के राजा सीहोन, जिन्होंने हेशबोन नामक स्थान से शासन किया था, बाइबिल के हिस्बन का शिखर है, जैसा कि आज दिखता है, उन्होंने न केवल उन्हें रोका या उनके प्रवेश से इनकार कर दिया बल्कि वास्तव में उनसे लड़ने के लिए बाहर चले गए। और उन्होंने यहज़ और मूसा में युद्ध किया और इस्राएल के बच्चों ने एमोरी सीहोन और उसकी सेना को जीत लिया या हरा दिया और हेशबोन पर कब्ज़ा कर लिया।

अब, यह, फिर से, यहाँ बहुत अधिक व्यक्तिगत संबंध है क्योंकि एंड्रयूज विश्वविद्यालय, जहाँ मैं काम करता हूँ, ने हेशबोन की साइट की खुदाई की, जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, कई वर्षों तक, हाल तक, और कई सीज़न तक साइट पर काम किया। मैंने साइट पर सेवा की और एक छात्र और एक स्टाफ सदस्य के रूप में काम किया, लेकिन हमें स्वर्गीय कांस्य काल, मूसा के समय के लिए कभी भी कोई मजबूत, स्पष्ट सबूत नहीं मिला। हमें मध्यकालीन काल से, नए नियम काल से, यहां तक कि पुराने नियम काल से भी अद्भुत अवशेष और खंडहर मिले, जिसमें एक बहुत बड़ा 17 बाय 17 मीटर का पूल भी शामिल है, जिसे हम यहां दिखाएंगे।

लेकिन मूसा के समय से कुछ भी नहीं। और यह फिर से पुरातत्व की सीमाओं को दर्शाता है। कभी-कभी पुरातत्व उन चीज़ों को संरक्षित नहीं करता है जिनके बारे में हमें पूरा यकीन है कि वहां घटित हुआ है।

और हम उसे एक मिनट में फिर से खोल देंगे। हेशबोन में 21 मान्यता प्राप्त स्तर या परतें, व्यावसायिक परतें हैं। और वहां जो सबसे पुराना कब्ज़ा पाया गया है वह लगभग 13वीं शताब्दी का अंतिम भाग है।

बहुत प्रारंभिक लौह युग 1 या देर से कांस्य प्रारंभिक लौह युग 1 संक्रमण। इसका मतलब है कि न्यायाधीशों के काल में बहुत पहले ही हमने यही पाया है। बहुत जल्दी।

यह साइट बहुत ही रणनीतिक रूप से स्थित है। यह तीन अलग-अलग क्षेत्रों के किनारे पर है, उत्तर में अम्मोनाइट हिल कंट्री, पूर्व में मिशोर और दक्षिण में, और पश्चिम में आर्बोरियम मृत सागर के ठीक उत्तर में जॉर्डन घाटी में गिरता है। हेशबोन के शिखर से इसका दृश्य क्षेत्र अविश्वसनीय है।

यह शक्ति का स्थान है क्योंकि आपको आसपास के ग्रामीण इलाकों का इतना शानदार दृश्य देखने को मिलता है। यहाँ हेशबोन वैसा ही है जैसा आज दिखाई देता है। इसे बताना कहते हैं।

यह वास्तव में एक पहाड़ी चोटी है। परतें बहुत कसकर भरी हुई और जटिल हैं, लेकिन यह संभव है। और हम पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं कि निर्गमन के समय वहाँ कोई कब्ज़ा था, लेकिन वहाँ था।

उन्होंने हमारे खोजने के लिए ढेर सारी पुरातात्विक सामग्री नहीं छोड़ी। और फिर, यह एमोरी नगर सीहोन से लेकर इस्राएलियों की बस्ती तक हेशबोन का इतिहास है। और फिर 8वीं और 6वीं शताब्दी में, आपको इस स्थल पर विभिन्न राजव्यवस्थाएं मिलीं।

अम्मोनियों, मोआबियों, इस्राएलियों और संभवतः थोड़े समय के लिए यहूदा के यहूदियों ने इस क्षेत्र को नियंत्रित किया। यह संख्या 21 में हेशबोन का वास्तविक गीत है। बाइबिल में हेशबोन का लगभग 40 बार उल्लेख किया गया है।

हेशबोन के विनाश और सीहोन की पराजय का भी कई बार उल्लेख किया गया है। और फिर, इस घटना की गहरी स्मृति के कारण, बाइबिल के विद्वान कहते हैं, हाँ, यह होना चाहिए था। ऐसा होना चाहिए था।

यह कोई ऐसी चीज़ नहीं है जो बनाई गई हो। तो हम इसे कैसे समझाएँ? खैर, इस पाठ पर वापस लौटते हुए, यदि आप पाठ को ध्यान से पढ़ते हैं, तो यह सीहोन और एमोरियों के अपेक्षाकृत हाल ही में भूमि पर आने के बारे में बात करता है। वे क्षेत्र में दिखाई दिये।

और एमोराइट, एमोराइट नाम का अर्थ पश्चिमी है। तो फिर, क्षेत्र के लोगों को ठीक से पता नहीं था कि वे कौन थे। उनका कोई विशिष्ट नाम नहीं था, या यह सिर्फ एक सामान्य नाम था, पश्चिमी।

उन्होंने मोआबियों को हराया और अर्नोन नदी तक अपने लिए क्षेत्र बना लिया। और इस प्रकार, उन्होंने मोआबियों को हरा दिया और अपना राज्य स्थापित किया। अब, उस साम्राज्य का मतलब यह नहीं है कि उन्होंने महल और मंदिर और ईंट-गारे के घर बनाए।

वे हाल ही में इलाके में आये थे। वे अभी भी तंबू में रह सकते थे। और यह शायद हेशबोन में कांस्य काल के अंत की खोजों की कमी को समझने में मदद करता है, क्योंकि शायद यह इमारतें नहीं थीं जिन्हें इज़राइल के बच्चों ने नष्ट कर दिया था, बल्कि तंबू नष्ट कर दिए थे।

और वे कोई पुरातात्विक साक्ष्य नहीं छोड़ते। फिर, यह अनुमानात्मक है, लेकिन संभवतः उन अंशों के लिए एक अच्छी व्याख्या है। हेशबोन बाद में एक सोलोमोनिक जिला बन गया।

और आप इस हेडर और स्ट्रेचर, एशलर मेसनरी को देख सकते हैं, जिसे हमने हेशबोन में उजागर किया था। और यह सुलैमान के समय का प्रतीत होता है। और सुलैमान ने अपनी प्रशासनिक जिला सूची के अनुसार, हेशबोन को अपने एक जिले की राजधानी या जिले की राजधानी बनाया।

तो, यह फिर से हेशबोन की समस्या देता है। यह शिखर से दक्षिण की ओर देखने वाली एक तस्वीर है और साइट का हवाई दृश्य है। और यह वही पूल है, 17 मीटर का पूल, चट्टान को ठीक उसी आधार पर काटा गया है जिस पर हमने पिछले कुछ वर्षों में कुछ खुदाई की थी।

बाद में, हेशबोन संभवतः सुलैमान के शासनकाल के दौरान एक शाही संपत्ति थी। इसलिए, एक्लेसिएस्टेस की पुस्तक, या क्षमा करें, गीतों के गीत के अंश में उल्लेख किया गया है कि उसकी

प्रेमिका, शूलेमाइट लड़की की आंखें हेशबोन के तालाबों की तरह हैं। और हमें हेशबोन के शिखर के पास एक बड़ा स्मारकीय पूल, विशाल पूल मिला, जो शायद एक डबल पूल हो सकता था क्योंकि सोलोमन के समय में यह दोहरे रूप में था।

लेकिन पुराने नियम के काल में वहां एक विशाल तालाब मौजूद था। बालाक, मोआबी राजा जिसके साथ मूसा और इस्राएल के लोगों ने व्यवहार किया था, संभवतः इसी स्थान से शासन करता था। अब, यह थोड़ा धोखा देने वाला है क्योंकि यह एक कूसेडर महल है, अल-करक नामक जगह है।

लेकिन उस महल के नीचे, दुर्भाग्य से, लैटिन साम्राज्य द्वारा पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया था, जैसा कि उन्होंने बनाया था, किर हरशेथ या किर हैहेरेस की मोआबियों की राजधानी थी, इसके लिए अलग-अलग नाम थे, जो कि मोआबियों की राजधानी थी, हम मानते हैं, का समय बालाक राजतंत्र के माध्यम से सभी तरह से. अल-करक वादी अल-करक पर स्थित है जो सीधे मृत सागर तक जाता है और बाइबिल सदोम के स्थल पर आता है। अंत में, हमारे पास द्रष्टा बिलाम है, और संख्या 22-24 में, मोआब का राजा, बालाक, एक प्रकार के जादू-टोना करने वाले, एक आध्यात्मिक व्यक्ति को काम पर रखता है जो आता है और इज़राइल को शाप देने वाला है।

फिर, मोआब पठार पर है, शायद ऊपर का पठार या बाइबिल मिशोर, टेबललैंड, या करक पठार या दबन पठार, कहीं ऊपर। और इस्राएलियों ने नीचे मैदान में डेरे डाले। और इसलिए वह बालाम नाम के इस जादूगर या द्रष्टा को काम पर रखता है ताकि वह आकर लोगों को शाप दे सके।

लेकिन निःसंदेह, जैसा कि हम जानते हैं, बिलाम ने जो भी भविष्यवाणियाँ कीं वे इस्राएल के लिए आशीर्वाद थीं क्योंकि परमेश्वर ने उसके माध्यम से बात की थी और उसने वे शब्द बोले जो परमेश्वर ने उसे दिए थे, जिससे मोआबी राजा अत्यधिक क्रोधित हो गया। लेकिन यह एक बेहतरीन कहानी है, नंबर 1 में बहुत अच्छा विवरण है। अब, 1967 में, डच पुरातत्वविद् हेन्क फ्रेंकेन मोआब के उत्तर में जॉर्डन घाटी में ताल देर अल-अला में खुदाई कर रहे थे।

मैंने पहले भी इसका उल्लेख किया था, लेकिन जब हम शिलालेखों के बारे में बात कर रहे थे, लेकिन उस शहर में एक मंदिर या मंदिर पर एक प्लास्टर की हुई दीवार मिली, जिस पर कुछ लिखा हुआ था। और आप इसका एक टुकड़ा यहां देख सकते हैं। आप टूटे हुए प्लास्टर को देख सकते हैं और उन्होंने सावधानी से उसे दीवार से हटा दिया और इस पाठ को यहां लेकर आए, नौवीं से आठवीं शताब्दी ईसा पूर्व का एक बहुत ही प्रारंभिक अम्मोनी स्लैश अरामी पाठ।

इसमें द्रष्टा बिलाम का एक श्रद्धेय व्यक्ति के रूप में उल्लेख किया गया है। मूसा के समकालीन, बिल्कुल नहीं, लेकिन बहुत प्राचीन। बिलाम को जिस तरह से चित्रित किया गया है, वह इतिहास में एक ऐसा व्यक्ति है जिसका वे सम्मान करते हैं।

तो, एक अविश्वसनीय खोज, फिर से, अब 55 साल पहले, जो फिर से साबित करती है या लगभग आप तर्क दे सकते हैं कि एक ऐतिहासिक व्यक्ति के रूप में बिलाम का अस्तित्व साबित होता है।

तो फिर, यहां कुछ भी ठोस नहीं, कोई धूम्रपान बंदूक नहीं। लेकिन एक के बाद एक ढूँढना, फिर से, सबूत देता है, अप्रत्यक्ष सबूत, लेकिन फिर भी इन खातों की ऐतिहासिकता के लिए सबूत।

धन्यवाद।

यह बाइबिल पुरातत्व पर अपने शिक्षण में डॉ. जेफरी हाउडन हैं। यह सत्र 12 है, पलायन और जंगल का पुरातत्व।